

This PDF you are browsing now is a digitized copy of rare books and manuscripts from the Jnanayogi Dr. Shrikant Jichkar Knowledge Resource Center Library located in Kavikulaguru Kalidas Sanskrit University Ramtek, Maharashtra.

KKSU University (1997- Present) in Ramtek, Maharashtra is an institution dedicated to the advanced learning of Sanskrit. The University Collection is offered freely to the Community of Scholars with the intent to promote Sanskrit Learning.

Website https://kksu.co.in/

Digitization was executed by NMM

https://www.namami.gov.in/

Sincerely,

Prof. Shrinivasa Varkhedi Hon'ble Vice-Chancellor

Dr. Deepak Kapade Librarian

Digital Uploaded by eGangotri Digital Preservation Trust, New Delhi https://egangotri.wordpress.com/

कविकुलगुरु क	ालिदास संस्कृत विश्ववि	द्यालय, रामटेक	
	हस्तिलिखित संग्रह		
दाखल का 1920	219 विषय <u>४</u>	4118	
नाव. 3/4%	१ श्रेथ अग्रमी. ०	1M53)	-
लेखक/लिपीकार			
पृष्ठ	काळ	पर्ण / इ	TUTH!

।।श्रीगणिशायनमः श्रत्रीश्रानस्यानद्ननापत्रयहारातापत्रयहार गगिरिमिहाचलसुंदर २ सिहासनने रामाचे छन्न विग्रिनमिणमेडि तसारा २ विलिसिनश्रीमुखशोभि २ शर्णागनधीराजयज्ञथश्र वध्नित्रभवनकेएजागुरुनिभवनकेएजा२चारोबेद्वजावनभार नहर्वेवाजा जयजयशिख्यवध्त १ शिश्यंपमकराक्षेत्रिक जबुंउलउपमि२ बाइदीर्घविराजिन-अमयंकरुणमीवर्खलय तिसंदरहरियं नाजा मित्रभुश्रं नरजामी सेषादिक्या सादिक्र अत्र

वेश्वातावेमनभावेश्वित्तिपालपावेदतावेश्वित्तवसंभवसंका दत्तावेश्वाकारकविदासश्चरणां धुक्रधावे क्रयत्तयश्ची अवध् त वीभवनकराजागुरु विभवनकराजाचारोवेदवतावत श्वान (हि हरकाबाजा जयजपश्ची अवध्रत १ इतिश्वीदत्तावेश्वर्यार्गिसे एणं श्रीदतावेयार्पणमस्त्रा। ॥कस्तुरोति सक्के स्वस्ताव्यव्यवेशः हि दुस्य स्वेकी स्त्रभंनासाये नवमो क्रिके करनसे वेन्द्रकर केक्णे सर्व हि गेहरिचंदनं कमस्यो कं वेस्प्रका विस्तागिपश्ची पर मे हिने विक्रय से हि ,CREATED=24.07.19 16:02 ,TRANSFERRED=2019/07/24 at 16:05:29 ,PAGES=3 ,TYPE=STD ,NAME=S0001117 ,Book Name=M-2019-SHRIDATTATREY ARTI ,ORDER_TEXT= ,[PAGELIST] ,FILE1=00000001.TIF ,FILE2=00000002.TIF ,FILE3=00000003.TIF

[OrderDescription]